



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

21/11

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 449] नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 28, 1989/भाद्र 6, 1911

No. 449] NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 28, 1989/BHADRA 6, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे इसके रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1989

मा.का.नि. 786 (अ) : केन्द्रीय मरकार, खान और खानित्र (विनियमन और विभाग)  
अधिनियम, 1957 (1957 वा 67) की धारा 3 के खंड (ड) द्वारा प्रदत्त अविनयों का प्रयोग  
करते हुए और भारत मरकार के तत्कालीन इस्पात, खान और हैंदन मंत्रालय (खान और

ईंधन विभाग) की अधिसूचना से, मा.का.नि. 436, तारीख 1 जून, 1958 को अधिकृत करते हुए, निम्नलिखित खनियों को छोटे खनिय घोषित करती है, अर्थात् :—

“वालमिन के प्रयोजनों या बेधन कुओं की भराई के लिए या भवनों में साज-सज्जा के प्रयोजनों के लिए उपयोग में लाए जाने वाले गोलाश्य, खपच्ची, कैल्सेडोनी या अणुद्व स्टिक, बटिकाश्य; चूना - कोश, कंकर और चना-पथर जब उनका निर्माण-सामग्री के रूप में प्रयुक्त चूने के निर्माण के लिए भट्टां में प्रयोग किया जाए, मुरम, इष्टिका-मूर्तिका, मुल्तानी मिट्टी, बैन्टोनाइट, सड़क पथर - रेह-मट्टी, स्लेट और शेल जब उनका निर्माण-सामग्री के लिए प्रयोग किया जाए।”

[का.सं. 1(9)/88-एम-6]

मुरेन्द्र मिश्र, संयुक्त सचिव,

### MINISTRY OF STEEL & MINES

(Department of Mines)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd August, 1989

G.S.R. 786(E).—In exercise of the powers conferred by Clause (c) of section 3 of the Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957 (67 of 1957) and in supersession of the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Steel, Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. G. S. R. 436, dated the 1st June, 1988, the Central Government hereby declares the following minerals to be minor minerals, namely :—

“boulder, shingle, chalcedony or impure quartz pebbles used for ball mill purposes or filling for bore-wells or for decorative purposes in buildings, limeshell, kankar and limestone when used in kilns for manufacture of lime used as building material, murrum, brick-earth, fuller's earth, bentonite, road metal, reh-matti, slate and shale when used for building material.

[F. No. 1(9)/88-M.VI.  
SURENDRA MISHRA, Jt. Secy